Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

05 अगस्त 2026

वर्ष - 04, अंक - 14 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

समय की मांग के अनुरूप युवा हो रहे हैं शिक्षित-प्रशिक्षित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हमारे युवा नैतिक मूल्यों से जुड़ने के साथ-साथ समय की मांग के अनुरूप शिक्षित-प्रशिक्षित हो रहे हैं। शिक्षा नीति की यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ देश और राज्य को मजबूत बनाने में सहायक होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के बाद उसके विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाने की दिशा में उच्च शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके लिए विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 'उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम : दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन' विषय पर प्रशासन अकादमी में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के

प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक, रोजगारोन्मुख, बहुविषयक तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना कार्यशाला का उद्देश्य है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन सहित देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ एवं विश्वविद्यालयों के कुलगुरु भी सहभागी हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है – उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मध्य प्रदेश में लागू की गई। राज्य सरकार ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में शामिल करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप हमारा प्रयास है कि पाठ्यक्रम, ज्ञान के साथ कौशल विकास भी शामिल हो। राज्य सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। पढ़ाई पूरी होने के बाद विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर भी जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप पाठ्यक्रम तैयार करने में यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। महाविद्यालयों में आधुनिक जरूरत और उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप, शिक्षा व्यवस्था करने के लिए यहां मंथन होगा। इस कार्यशाला के निष्कर्ष बेहतर पाठ्यक्रम तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे।

प्रदेश में कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास जारी – अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के साथ टेक्नोलॉजी, एआई, इंजीनियरिंग पर भी बेहतर कार्य हो रहा है। शिक्षा विभाग में तकनीक का समावेश तेजी से बढ़ा है। पिछले दो वर्ष में हजारों की संख्या में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की गई है। कैपेसिटी बिल्डिंग और फैकल्टी डेवलपमेंट के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

राज्य सरकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने में अग्रणी – शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि राज्य सरकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने में अग्रणी है। राज्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए एक शीर्ष समिति गठित की गई है, पिछले ढाई साल से इस पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार, बौद्धिकता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों।

इच्छाशक्ति के अभाव में पिछली दो शिक्षा नीतियों का पूर्णतः क्रियान्वयन नहीं हो सका। वर्तमान में समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि हम भारतीयता से दूर जा रहे हैं। आज मानसिक तनाव दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, जिसका समाधान सिर्फ योग में है। हमें प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक दोनों के साथ आगे बढ़ना है। ज्ञान, चरित्र और कौशल से ही हमारी शिक्षा पूर्ण होती है। विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति का आधार शिक्षा ही है।

जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र से जुड़ा बिल राज्यसभा में पास, रजिस्ट्रेशन में एक गलती और जाना पड़ेगा कोर्ट

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल 2026' ध्वनि मत से पास हो गया। इससे पहले यह बिल 31 जुलाई को लोकसभा में पास हुआ था।

इस दौरान विपक्षी दलों ने लगातार नारेबाजी की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग की। साथ ही उन्होंने अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को लेकर भी नारे लगाए।

पुराने कानून में बदलाव नहीं – सरकार की तरफ से साफ किया कि एक साल तक के पंजीकरण की मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले की तरह जन्म या मृत्यु की सूचना 21 दिन के अंदर देने पर सामान्य रूप से रजिस्ट्रेशन होगा। लेकिन 21 दिन से लेकर एक साल तक की देरी होने पर तय नियमों के अनुसार विलंब शुल्क देकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकेगा।

सरकार का कहना है कि हर बच्चे का जन्म समय पर दर्ज होना जरूरी है, क्योंकि इसी आधार पर उसे शिक्षा, पहचान, सरकारी योजनाओं और अन्य कानूनी अधिकारों का लाभ मिलता है। इसी तरह मृत्यु का सही रिकॉर्ड भी प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अहम होता है। नए संशोधन बिल के अनुसार एक साल से ज्यादा और 2 साल के अंदर जन्म या मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट (SDM) या उनकी ओर से नियुक्त किसी अधिकारी की इजाजत जरूरी होगी। अगर किसी जन्म या मृत्यु का पंजीकरण 2 साल से अधिक की देरी से कराया जाता है, तो अब केवल न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही पंजीकरण कराया जा सकेगा।

इसके अलावा, अनुमति देने से पहले संबंधित अधिकारी को दी गई जानकारी और दस्तावेजों की पूरी जांच करनी होगी, ताकि रिकॉर्ड सही और प्रमाणिक रहे। इस बिल का उद्देश्य 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969' के नियमों को और सख्त बनाना है।

रिलायंस पेट्रोल पंप क्षेत्र में सुबह 6.30 से 10.30 तक नहीं रहेगी लाइट

नीमच । शहर के महू रोड क्षेत्र में बुधवार को सुबह बिजली कटौती होगी। यह कटौती चार घंटे तक जारी रहेगी। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सहायक यंत्री (शहर) ने बताया कि MPRDC द्वारा पोल शिफ्टिंग का कार्य किया जाना है। इसी कारण विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मेंटेनेंस और शिफ्टिंग कार्य के चलते 11 केवी महू रोड फीडर से जुड़ी विद्युत आपूर्ति सुबह 06:30 बजे से प्रातः 10:30 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी। इससे महू रोड, रिलायंस पेट्रोल पंप क्षेत्र और आसपास के सभी आवासीय एवं व्यावसायिक इलाके प्रभावित होंगे।

विद्युत कंपनी ने सूचित किया है कि कार्य की प्रगति और आवश्यकता के आधार पर बिजली बंद रहने का समय घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने आवश्यक कार्य सुबह 6:30 बजे से पहले निपटा लें।

अपहरण, पिस्तौल और 25 लाख की रंगदारी : नीमच के व्यवसायी के साथ हुई सनसनीखेज वारदात, 2 गिरफ्तार

फरियादी हर्षित चौपड़ा

आरोपी कमलेश धनगर

नीमच 3 अगस्त (निप्र)। मध्य प्रदेश के नीमच जिले से सटे राजस्थान के सीमावर्ती इलाके में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। प्रॉपर्टी में भारी मुनाफे का लालच देकर शहर के एलआईसी चौराहा निवासी युवा व्यवसायी हर्षित चोपड़ा (जैन) का अपहरण कर लिया गया। बदमाशों ने उन्हें राजस्थान के निम्बाहेड़ा स्थित एक सुनसान पत्थर खदान में बंधक बनाकर पिस्तौल की नोक पर ₹50 लाख की फिरौती मांगी और ₹25 लाख वसूल भी लिए। हालांकि, पीड़ित की सूझबूझ और अंतरराज्यीय पुलिस की मुस्तैदी से मामले का पर्दाफाश हो गया है। नीमच सिटी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जमीन दिखाने के बहाने बुलाकर स्कॉर्पियो में ढोया

पीड़ित हर्षित द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार, घटना रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। परिचित प्रॉपर्टी कारोबारी कमलेश धनगर ने मुनाफे वाली जमीन दिखाने के बहाने हर्षित को पीजी कॉलेज के पीछे बुलाया। वहां पहले से तैयार स्कॉर्पियो वाहन में हर्षित को जबरन बैठाया गया और सीधे राजस्थान के निम्बाहेड़ा ले जाया गया। रास्ते में दो अन्य बदमाश भी गाड़ी में सवार हो गए।

मौका देखकर भागा पीड़ित, हाईवे पर मांगी मदद - मारपीट के दौरान मौका पाते ही हर्षित बदमाशों के चंगुल से भाग निकला। उसने हाईवे पर राहगीरों की मदद से रानीखेड़ा चौराहे पहुंचकर निम्बाहेड़ा (राजस्थान) पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। सूचना मिलते ही नीमच से परिजन भी निम्बाहेड़ा पहुंचे, जिसके बाद पीड़ित को नीमच लाकर देर रात 'नीमच सिटी थाना' में शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई : BNS की धाराओं में मामला दर्ज - नीमच सिटी पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए मामला दर्ज किया और सोमवार शाम तक दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला - पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 140(3), 308(5), 115(2), 351(3), और 3(5) के तहत अपहरण, अवैध वसूली और हथियार दिखाकर धमकाने का अपराध पंजीबद्ध किया है ।

नामित आरोपी : कमलेश धनगर, प्रथम प्रजापति और 2 अन्य अज्ञात है । कमलेश धनगर और प्रथम प्रजापति गिरफ्तार हो चुके है । 2 अन्य आरोपी फरार, जिनकी तलाश जारी है।

खदान में पिस्तौल की नोक पर 25 लाख की वसूली

आरोपी हर्षित को निम्बाहेड़ा क्षेत्र की एक वीरान खदान में ले गए, जहाँ पिस्तौल अड़ाकर जान से मारने की धमकी दी गई। खौफजदा हर्षित ने परिजनों को फोन किया, जिसके बाद नीमच से ₹15 लाख और निम्बाहेड़ा से ₹10 लाख (कुल ₹25 लाख) आरोपियों तक पहुँचाए गए। इतनी बड़ी रकम ऐंठने के बावजूद आरोपियों की नीयत साफ नहीं हुई। वे अतिरिक्त ₹25 लाख की मांग को लेकर मारपीट और गाली-गलौज करने लगे।

समय-सीमा समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने विभागों की परखी प्रगति

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) समीक्षा बैठक में शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों, सीएम हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरणों तथा विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आमजन से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। कलेक्टर श्री चंद्रा ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल पोर्टल बंद करने तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर विभागीय रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक तथा सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों को निर्देश दिए गए कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की नशीली वस्तुओं का विक्रय नहीं होना चाहिए। ऐसे मामलों की नियमित निगरानी करते हुए दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने

विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को झूलते विद्युत तारों से संबंधित शिकायतों का तत्काल निराकरण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित हो सके। समीक्षा के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग में डीबीटी एवं हितग्राही सत्यापन कार्य में लापरवाही के कारण पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के महाप्रबंधक एवं जिला विपणन अधिकारी के बिना पूर्व सूचना बैठक में अनुपस्थित रहने पर भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। नगर क्षेत्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित अभियान संचालित करने, सार्वजनिक मार्गों को बाधामुक्त बनाए रखने तथा नागरिक सुविधाओं में सुधार हेतु सतत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरंतर...2 /2/ राजस्व प्रकरणों की समीक्षा में कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि रास्ता विवाद, अतिक्रमण हटाने एवं अन्य निराकृत राजस्व प्रकरणों का मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि मैदानी निरीक्षण से प्रशासनिक निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा तथा आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। बैठक में 7 अगस्त से प्रारंभ होने वाले मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी विभागवार तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अभियान के दौरान समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने एवं निर्धारित गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि सभी जिला अधिकारी शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की नियमित समीक्षा करें, अधीनस्थ अमले की सतत मॉनिटरिंग रखें तथा प्रत्येक प्रकरण में जवाबदेही के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को समय पर राहत एवं बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम नीमच श्री पराग जैन, एसडीएम जावद श्री संजीव साहू, एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, सुश्री मयूरी जोक, सुश्री श्रुति भयड़िया सहित जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों को नहीं मिला सोयाबीन फसल बीमा क्लेम : कलेक्ट्रेट में तहसीलदार को दिया ज्ञापन, जल्द भुगतान की मांग

नीमच । जिले की जीरन तहसील के आधा दर्जन से अधिक गांवों के किसान मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे और खरीफ वर्ष 2024-25 की सोयाबीन फसल का बीमा क्लेम नहीं मिलने पर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने जल्द से जल्द बीमा राशि उनके खातों में जमा कराने की मांग की। किसानों ने बताया कि धोकलखेड़ा, चलदु, अरनिया बोराना, मात्याखेड़ी, बरखेड़ा सौंधिया सहित आसपास के कई गांवों के किसानों के खातों में अब तक फसल बीमा की राशि नहीं पहुंची है। इससे किसानों में नाराजगी है।

प्रीमियम जमा करने के बाद भी नहीं मिला लाभ – ज्ञापन में किसानों ने कहा कि वे हर वर्ष शासन की योजना के तहत समय पर फसल बीमा प्रीमियम जमा करते हैं। इसके बावजूद खरीफ 2024-25 की सोयाबीन फसल का बीमा क्लेम अब तक नहीं

मिला है, जिससे आर्थिक संकट गहरा गया है।

प्रशासन से जल्द भुगतान कराने की मांग – किसानों का कहना है कि बीमा राशि नहीं मिलने से वे किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का ऋण नहीं चुका पा रहे हैं। फसल खराब होने के बाद बीमा क्लेम नहीं मिलने से खेती और पारिवारिक जरूरतों से जुड़े कई काम भी प्रभावित हो रहे हैं। किसानों ने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने बीमा कंपनी और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश जारी कर प्रभावित किसानों के खातों में जल्द बीमा राशि जमा कराने का आग्रह किया।

एमपी कैबिनेट का बड़ा फैसला, किसानों को राहत देने के लिए 'कवच योजना' मंजूर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक में राज्य के किसानों के हित में एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। प्रदेश की प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS) के डिफाल्टर किसानों को राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'कवच योजना' को हरी झंडी दे दी है। सरकार के इस कदम से कर्ज के बोझ तले दबे प्रदेश के हजारों किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

लगभग 5000 किसानों को मिलेगा सीधा लाभ – मंत्रिपरिषद द्वारा मंजूर की गई 'कवच योजना' के लागू होने से प्रदेश के लगभग 5000 डिफाल्टर किसानों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों से जुड़े ये किसान लंबे समय से राहत की उम्मीद कर रहे थे। इस योजना के माध्यम से उन्हें वित्तीय संकट से उबारने और पुनः मुख्यधारा की बैंकिंग व कृषि ऋण व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

सरकार और बैंकों की बराबर हिस्सेदारी – कवच योजना के क्रियान्वयन के लिए वित्तीय व्यवस्था भी तय कर दी गई है। योजना के अंतर्गत कुल राशि में राज्य सरकार और सहकारी बैंकों का आधा-आधा अंशदान रहेगा। इसमें 50 करोड़ रुपये की राशि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक (DCCB) और अपेक्स बैंक मिलकर लगाएंगे, जबकि इतनी ही राशि यानी 50 करोड़ रुपये का योगदान राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार 100 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रावधान के साथ इस योजना के जरिए डिफाल्टर किसानों का वित्तीय बोझ कम किया जाएगा।

ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, 60 ग्राम एमडी,4.14kg डोडाचूरा जब्त :ड्रग्स की अनुमानित कीमत 6.59 लाख, आरोपी 3 दिन की पुलिस रिमांड पर

मंदसौर । जिले की अफजलपुर थाना पुलिस ने मंगलवार को सिंथेटिक ड्रग्स एमडी और डोडाचूरा की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 60 ग्राम एमडी ड्रग्स, 4 किलो 144 ग्राम डोडाचूरा और बिना नंबर की बजाज प्लेटिना बाइक जब्त की है। जब्त मादक पदार्थ और वाहन की कुल कीमत करीब 6.59 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपी की पहचान दीपकनिवासी लसूडिया इल्ला के रूप में हुई है। अफजलपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति काले रंग की बजाज प्लेटिना-100 बाइक से दलौदा से सीतामऊ की ओर जा रहा है। उसके पास एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा था। जिसे वह

सप्लाई करने वाला था।

तलाशी में मिली एमडी और डोडाचूरा – पुलिस तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से 60 ग्राम एमडी ड्रग्स और उसके पास मौजूद झोले से 4 किलो 144 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

तीन दिन के पुलिस रिमांड पर – थाना प्रभारी हरीश मालवीय ने बताया कि अफजलपुर थाने में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उसे कोर्ट में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया जा रहा है।

पूछताछ में यह पता लगाया जाएगा कि मादक पदार्थ कहां से लाया गया, इसकी सप्लाई किसे की जानी थी। इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

सिर्फ कठोर कानून बनाना किसी समस्या का समाधान नहीं है

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा?

परीक्षा पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान तकनीकी सुधार, सख्त कानूनी कार्रवाई, प्रशासनिक पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के समन्वय से ही संभव है। भारत सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करके दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और रू.50 लाख तक के जुमार्ने जैसे कड़े प्रावधान किए हैं, लेकिन केवल कानून ही इसका अंतिम इलाज नहीं है।क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा? विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मोदी सरकार का महत्वपूर्ण विधेयक जो एंटी पेपरलीक को लेकर कानून को सख्त बनाये जाने से सम्बन्धित है ध्वनिमत से पास हो गया है। अब राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया जायेगा। वहां भी पास हो ही जायेगा। सरकार का कहना है कि एंटी पेपर लीक कानून को और सख्त बनाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 लाया गया है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा धोखाधड़ी और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। इस संशोधित कानून में दोषियों के खिलाफ पहले से अधिक कठोर दंड, आर्थिक जुमार्ना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह कानून प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

आपको पता है कि नीट के पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार से देश भर में युवाओं छात्रों में माहौल बना सरकार ने पैदा आक्रोश को दबाने के लिए फौरी उपचार बतौर इस विधेयक को ऐसे समय ड्राफ्ट किया है। तब जबकि जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलित थे और वे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे।

छात्रों, युवाओं के प्रदर्शन व मांगों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान का शिक्षामंत्री के पद से इस्तीफा तो हो गया। लेकिन पेपरलीक, परीक्षाओं में अनियमितता शिक्षा व्यवस्था सिर्फ न तो इस्तीफे से रूकने वाली है और नही उसको लेकर बनाये गए सख्त कानूनों से ही रूकेगा। देश में कानून तो बहुत से हैं। वह चाहे चोरी, छेड़छाड़ का हो, भ्रष्टाचार, रिश्वत लेने-देने, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का या हत्या का, खाद्य पदार्थों में मिलावट का हो या नकली दवाएं बेचे जाने का। कानून की कोई कमी इस देश में नहीं हैं। सवाल यह है कि इतने कानूनों के बावजूद व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है। क्योंकि यह कतई नहीं माना जा सकता है कि उसी व्यवस्था में शामिल लोगों के बिना पेपरलीक हो सकता है या परीक्षा में अनियमितता हो सकती है।

जहां तक शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली का प्रश्न है, पेपरलीक और परीक्षा में अनियमितता सिर्फ इन कारणों से नहीं होती है कि इन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए कोई कानून नहीं है। यह तो व्यवस्था की विसंगतियों और कुछ लोगों के गठजोड़ से अत्यधिक मुनाफा कमाने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ दिलाने से जुड़े प्रश्न हैं। यदि कुछ वर्षों में देश में कोचिंग संस्थानों का व्यापार तेजी से बढ़ा है। क्या इसके बारे में भी सरकार ने कभी सोचा है कि आखिर वे कौन से कारण हैं कि देश में शिक्षा की व्यवस्था दिनों दिन गिरती जा रही है। निजी संस्थानों की बाढ़ आ रही है। सरकारी संस्थान डूब रहे हैं। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है, संसाधन विहीन है। क्या कारण है कि कोचिंग संस्थान फल-फूल रहे हैं और स्कूल कालेजों में हो रही पढ़ाई उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल नहीं बना पाती है और छात्र अपनी रेगुलर पढ़ाईछोड़कर कोचिंग संस्थाओं में भारी भरकम फीस जमा करके प्रवेश लेते हैं और तैयारी करते हैं। मां बाप और अभिभावक भी बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी जब पेपरलीक होता है तो उन छात्रों और युवाओं की पीड़ा देखी जा सकती है जो बड़ी उम्मीदों से तैयारी करते हुए परीक्षाएं देते हैं लेकिन उनका परिणाम नहीं आता है। पेपरलीक होने की वजह से परीक्षा कैसिल हो जाती है। दोबारा जब करायी जाती है तब तक बहुत समय गुजर चुका होता है। धन भी जाता है और बहुत बार आयु भी निकल चुकी होती है। यही कारण है कि जंतर-मंतर पर जो आक्रोश उभर कर सामने आया वह सिर्फ नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था और न ही सिर्फ नीट दिए हुए या उससे प्रभावित लोग ही जुटे। यह पूरी व्यवस्था में घुले भ्रष्टाचार का परिणाम था जो वर्षों से धीरे-धीरे सुलग रहा था और जंतर-मंतर पर आकर फूट पड़ा था। सरकार को चाहिए कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ ही न बनाये बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल डाले जो सिर्फ कानून से नहीं हो सकता है। सवाल तो यह भी है कि आखिर सरकार शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि क्यों नहीं करती है कि इसके लिए सरकार के तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करायी जा सके। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। पेपर लीक को रोकने के लिए प्रमुख रणनीतियों को लागू किया जाना आवश्यक है इसके तहत सबसे पहला कदम आधुनिक तकनीक का उपयोग डिजिटल प्रश्न पत्र वितरणः पेपर को छापने और गाड़ियों में ले जाने के बजाय, परीक्षा से ठीक आधा घंटा पहले केंद्रों पर एन्क्रिप्टेड डिजिटल फाइल भेजी जाए।ब्लॉकचेन और एडवांस एन्क्रिप्शनः प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाए जिससे डिजिटल फाइल में किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके।

दूसरा कदम एआई निगरानीः परीक्षा केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से रियल-टाइम निगरानी की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।डिजिटल ऑडिट ट्रेलः प्रश्न पत्र को कब, किसने और कहाँ से एक्सेस किया, इसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड (लॉग) रखा जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके।

तीसरा कदम प्रशासनिक एवं परीक्षा संचालन में सुधार चरणबद्ध ऑनलाइन परीक्षाएं : बड़ी परीक्षाओं (जैसे नीट या बड़ी भर्ती परीक्षाएं) को एक ही दिन कराने के बजाय जेईई मेन्स की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से कई सत्रों में आयोजित किया जाए।सुरक्षित प्रिंटिंग कमांडः परीक्षा केंद्रों पर ही हाई-स्पीड बायोमेट्रिक प्रिंटर लगे हों और परीक्षा से कुछ मिनट पहले ऑन-डिमांड प्रिंट कमांड देकर पेपर निकाला जाए।विश्वसनीय पेपर सेटर्स (इंटरनल सिक्योरिटी): आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी (पीएम टास्क फोर्स एक्सपर्ट) के अनुसार, लीक अक्सर सोर्स (पेपर बनाने वालों) से ही हो जाता है। इसलिए, प्रश्न पत्र बनाने वाले और उसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की कड़ी पृष्ठभूमि जांच और गोपनीयता अनिवार्य होनी चाहिए।

चौथा कदम सख्त कानूनी और संस्थागत उपाय त्वरित अदालतें और स्पेशल टास्क फोर्सः पेपर लीक मामलों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन हो और फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए दोषियों को तुरंत सजा मिले।सर्विस प्रोवाइडर्स पर शिकंजाः परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों को गड़बड़ी पाए जाने पर हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनकी संपत्ति जब्त की जाए। योग्यता-आधारित रोजगार व्यवस्था डिग्री के बजाय स्किल टेस्टः यदि सरकारी और निजी नौकरियों में भर्ती का आधार केवल एक लिखित परीक्षा या डिग्री न होकर व्यावहारिक योग्यता, कौशल परीक्षण और प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो हो, तो एकल परीक्षा का दबाव और उसमें धोखाधड़ी करने की होड़ अपने आप कम हो जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेरोजगारों को संबल

देश में युवा मन के सपनों और भविष्य की चिंताओं के मद्देनजर हरियाणा सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। कहीं न कहीं दिल्ली समेत देश के अन्य राज्यों में हुए छात्र आंदोलन के बाद आज युवा सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं। इसी कड़ी में हरियाणा की नायब सरकार ने सीईटी पास युवाओं की सुध ली है। जाहिर है सभी सीईटी पास युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। कई युवा परीक्षा पास करने के बाद भी वर्षों तक बेरोजगार बने रहते हैं। एक्शन में आई हरियाणा सरकार ने ऐसे पांच लाख चालीस हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं की पहचान की है, जिन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद रोजगार नहीं मिला। इसके बाद 'विकसित भारत विजन 2047' के तहत रोजगार, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा कौशल विकास मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर बल दिया कि कौशल विकास योजनाओं को सिर्फ प्रशिक्षण तक ही सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें सीधे रोजगार से भी जोड़ा जाए। सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी सीईटी पास युवाओं को प्रति माह सौ घंटे का काम उपलब्ध कराने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर यदि उन्हें दो साल तक रोजगार नहीं मिलता, तो सक्षम युवा योजना के तहत भत्ता दिया जाएगा। निश्चित रूप से सभी बेरोजगारों को काम व भत्ता देना व्यावहारिक भले नहीं लगे, लेकिन बेरोजगारों की बड़ी संख्या को फौरी तौर पर संबल जरूर मिलेगा। दरअसल, विगत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में युवाओं के लिए एक ऐसी ही योजना लाई गई थी, जिसमें सालाना 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवार के युवाओं को 9 हजार का मासिक भत्ता देने की बात कही गई थी। वहीं, महीने में निर्धारित समय तक काम देने के भी प्रयास हुए थे। लेकिन वास्तव में ऐसी आदर्श योजना के क्रियान्वयन में व्यावहारिक दिक्कतों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। विगत में हरियाणा के युवाओं को प्रकृति से जोड़ने व रोजगार के अवसर मुहैया कराने के अभिनव प्रयास भी मनोहर लाल सरकार के दौरान हुए थे, जिसमें बेरोजगार युवाओं को पौधा लगाने का दायित्व दिया गया था। इसमें गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और उनकी निरंतर देखभाल करने के लिए मानदेय निर्धारित किया गया था। उद्देश्य था कि जो पौधे लगें, वे जीवित भी रहें और युवा प्रकृति से जुड़ें। नायब सरकार की नई मुहिम इसी कड़ी का विस्तार माना जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, नायब सरकार समय की जरूरतों के हिसाब से शिक्षा देने के प्रयासों में गंभीर नजर आती है। इसी कड़ी में एआई प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार पंचकूला व गुरुग्राम में एआई हब विकसित करने जा रही है, जिसके अंतर्गत दो लाख युवाओं को हाई-स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

सडक दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सडक दुर्घटनाओं में कमीं न आना बेहद दुर्भग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलनाए कहीं न कहीं सडक पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज कहीं न कहीं से भीषण सडक दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिल ही जाते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सडक हादसा माना जाता है। सडक हादसों में बेवजह लाखों जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के डेटा पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सडक पर खड़े वाहनों से टकराकर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सडक से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुईए 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं आमने.सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना का शिकार हुए जो अन्य क्षति छोडकरए मानवीय हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गतिए बिना हेलमेटए वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरीए सुस्तीए नींद के झोंकेए वाहन चलाते समय धूम्रपानए शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्सए टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करनेए टायरों पर ध्यान नहीं देने और ज्यादा पुरानेए घिसेए कटे.फटेए क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोगए बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है। गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवर टेक भी वजह है। छोटी सडकों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहाघ जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपोयग नहीं करना दुर्घटनाओं का सबब बनता है।

ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे.छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कताए थोड़ी सजगता से बड़ी.बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है दुर्घटना से देर भली।

सिंगोली का अत्याधुनिक सांदीपनि विद्यालय बनेगा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया केंद्र

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शिक्षा क्षेत्र को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाने के विजन को साकार करने की दिशा में नीमच जिले के सिंगोली में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त शासकीय सांदीपनि विद्यालय तैयार हो गया है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में विकसित यह विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों के साथ बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराएगा। करीब 12,865 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित यह विद्यालय भूतल सहित चार मंजिला (जी+3) भवन है। भवन का निर्माण आधुनिक शैक्षणिक आवश्यकताओं और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर किया गया है। विद्यालय में विशाल एवं हवादार कक्षाएं, पर्याप्त प्राकृतिक प्रकाश तथा बेहतर वेंटिलेशन की व्यवस्था की गई है, जिससे विद्यार्थियों को अनुकूल शिक्षण वातावरण मिल सके। विद्यालय में छोटे बच्चों के लिए विशेष किंडरगार्टन कक्षाएं और आकर्षक प्ले एरिया विकसित किया गया है। वहीं विज्ञान, कंप्यूटर एवं अन्य विषयों के अध्ययन के लिए आधुनिक प्रयोगशालाएं और आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में बहुउद्देशीय हॉल, योग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए विशेष व्यवस्था तथा खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए 200 मीटर का रनिंग ट्रैक तैयार किया गया है। इसके अलावा मिड-डे मील, कैंटीन, स्वच्छ पेयजल, छात्र-छात्राओं के लिए पृथक शौचालय, बस, साइकिल एवं अन्य वाहनों के लिए पार्किंग जैसी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। परिसर में हरित क्षेत्र और सुंदर उद्यान तैयार किए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण मिल सके। प्रशासन के अनुसार, शासकीय सांदीपनि विद्यालय केवल एक नया भवन नहीं, बल्कि आधुनिक शिक्षा, सुदृढ़ अधोसंरचना और विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आने वाले समय में यह विद्यालय सिंगोली सहित आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनेगा।

विजिया मित्र मंडल की 25वीं रजत जयंती कावड़ यात्रा 16 अगस्त को

भक्ति, ढोल-नगाड़ों और मनमोहक झांकियों के साथ उमड़ेगा शिवभक्तों का जनसैलाब

नीमच। सावन माह के पवित्र अवसर पर शहर की प्रमुख धार्मिक परंपरा का केंद्र बन चुकी विजिया मित्र मंडल की 25वीं भव्य रजत जयंती कावड़ यात्रा इस वर्ष भी अपार श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ निकाली जाएगी।

यह आयोजन 16 अगस्त, रविवार को सुबह 8:00 बजे बावड़ी वाले बालाजी मंदिर से प्रारंभ होगा। बीते 25 वर्षों से अविरल जारी यह यात्रा क्षेत्र में आस्था और सामाजिक समरसता की एक अनूठी मिसाल बन चुकी है।

सर्वश्रेष्ठ 5 कावड़ लाने वाले श्रद्धालुओं का होगा सम्मान – यात्रा संयोजक सुनील चौरड़िया एवं दिनेश पड़रिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडल द्वारा शिवभक्तों के लिए कावड़ की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही, आयोजन को और अधिक भव्य व प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक विशेष पहल की गई है—जो भी श्रद्धालु अपने घर से सुंदर और कलात्मक कावड़ लाएंगे, उनमें से सर्वश्रेष्ठ 5 कावड़ों का चयन कर संबंधित श्रद्धालुओं को मंडल द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

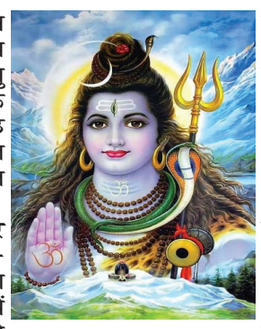

डीजे, ढोल-नगाड़ों और झांकियों के साथ गूंजेगा 'हर-हर महादेव' – पारंपरिक वेशभूषा में सजे हजारों कावड़िया हाथों में जल लेकर बावड़ी वाले बालाजी से नीलकंठ महादेव धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा में शामिल आकर्षक झांकियां, ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे और गूंजते भक्ति संगीत पूरे मार्ग को शिवमय बनाएंगे। यात्रा के दौरान अनुशासन, सेवा और धार्मिक गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसके लिए मंडल के सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं ।

जगह-जगह होगी पुष्पवर्षा, लगेगें सेवा स्टॉल – शिवभक्तों के स्वागत के लिए नीमच शहर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों और आम नागरिकों द्वारा मार्ग में जगह-जगह पेयजल, फलाहार, फल और महाप्रसाद के स्टॉल लगाए जाएंगे। वर्षों से मिल रहा यह जनसहयोग और अपार स्नेह इस कावड़ यात्रा की सबसे बड़ी पहचान बन चुका है।

सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश – मंडल सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि समाज में एकता, सेवा, संस्कार और सनातन संस्कृति के संरक्षण का सशक्त माध्यम है। इसमें युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

विजिया मित्र मंडल ने समस्त नगरवासियों एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस 25वीं ऐतिहासिक कावड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें और यात्रा को अनुशासित व सफल बनाएं।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

• आदिनाथ शिव
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

• शिव के अस्त्र-शस्त्र
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

• शिव पंचायत
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

• देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

• शिव चिह्न
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

• शिव की गुफा
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

• शिव के अवतार
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

• शिव का विरोधाभासिक परिवार
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

हर हर महादेव

• शिव के पैरों के निशान
श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं हौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू हौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• शिव महिमा
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

• शैव परम्परा
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

• शिव के प्रमुख नाम
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

• अमरनाथ के अमृत वचन
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

• शिव ग्रंथ
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

• शिवलिंग
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

• बारह ज्योतिर्लिंग
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

• शिव का दर्शन
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

• शिव और शंकर
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

• देवों के देव महादेव
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

• शिव हर काल में
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए फसल बीमा रथ को दिखाई गई हरी झंडी

नीमच । मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी गई है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले में प्रचार-प्रसार रथ को मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री पराग जैन एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला नीमच द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उप संचालक ने बताया कि योजना के अंतर्गत ऋणी एवं गैर-ऋणी दोनों प्रकार के किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा करा सकते हैं। ऋणी किसानों की फसलों का बीमा संबंधित बैंक शाखाओं के माध्यम से किया जाएगा, जहां उनके किसान क्रेडिट कार्ड खाते संचालित हैं। वहीं गैर-ऋणी किसान निकटतम बैंक शाखा, पैक्स, प्राथमिक कृषि साख समिति, कॉमन सर्विस सेंटर अथवा पीएमएफबीवाई पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से फसल बीमा करा सकते हैं।

खरीफ वर्ष 2026 के लिए धान (सिंचित एवं असिंचित), सोयाबीन, अरहर, मक्का, तिल एवं उड़द अधिसूचित फसलें हैं। इन फसलों के बीमा की अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। किसानों से अपील की गई है कि वे समय-सीमा के भीतर योजना का लाभ लें तथा अधिक जानकारी के लिए निकटतम बैंक, सीएससी केंद्र अथवा कृषि कार्यालय से संपर्क करें।

नपा का बुलडोजर गरजा : भगवानपुरा चौराहा व मनासा नाके के यहां चली कार्यवाही

दुकानों के बाहर से हटवाये, चद्दर शेड, टीन शेड की दुकान को भी ध्वस्त किया

नीमच। शहर के प्रमुख मार्गों पर दुकानों के बाहर फुटपाथ पर कब्जा कर सड़क तक अस्थाई रूप से सामान रखकर, शेड लगाकर व पक्का निर्माण कर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले व्यवसाईयों का अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही नगर पालिका परिषद नीमच की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के मार्गदर्शन में निरंतर जारी है। सोमवार को अंबेडकर मार्ग पर कार्यवाही के बाद मंगलवार को नगर पालिका ने एसडीएम श्री पराग जैन, तहसीलदार श्री संजय मालवीय व मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में मनासा रोड डाक बंगले से पीजी कॉलेज तक अतिक्रमण हटाओ मुहिम चलाई और दुकानों के बाहर फुटपाथ व सड़क तक लगाए गए चद्दर शेड के साथ ही टीन शेड की दुकान बनाकर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए चेतावनी दी की यदि पुनः अतिक्रमण किया गया तो सामान जप्त करने के साथ ही भारी जुर्माना व अन्य कानूनी कार्रवाई की जावेगी।

दुकानदारों ने भी किया सहयोग – भगवानपुरा चौराहा एवं अन्य स्थानों पर जब नगर पालिका का अमला अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो अनेक दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर टीन शेड हेतु लगाए सेल्फ भी स्वयं हटाते हुए नगर पालिका कार्यवाही में सहयोग प्रदान किया।

मंगलवार 4 अगस्त को मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के निर्देश पर नगर पालिका के राजस्व अधिकारी श्री खेमचंद मुसले, श्री टेकचंद बुनकर, स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक, सहायक राजस्व निरीक्षक श्री महावीर जैन, श्री महेंद्र साहू, श्री तेज प्रकाश चोपड़ा, श्री अर्जुन राठौर, श्री रवि भंडारी,श्री योगेश टांकवाल, स्वच्छता निरीक्षक श्री भारत सिंह भारद्वाज, गैंग प्रभारी श्री दीपक गौहर,श्री राम सिंह आदि ने नपा कर्मचारियों व जेसीबी, ट्रैक्टर ट्राली आदि संसाधनों के साथ दुकानों के बाहर से अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई मनासा रोड डाक बंगले से प्रारंभ की और यहां से भगवानपुरा चौराहा,मनासा नाका, पीजी कॉलेज तक मुख्य सड़क के दोनों और अतिक्रमण हटाया तथा बार-बार कहने के बावजूद दुकान के बाहर रखा सामान नहीं हटाने वाले दुकानदारों का सामान जप्त किया। मुख्य रूप से भगवानपुरा चौराहा के यहां सड़क के दोनों और दुकानदारों द्वारा दुकान के बाहर चद्दर शेड लगाकर व कहीं-कहीं पक्का निर्माण कर किया गया अतिक्रमण हटाया गया। मनासा नाके के यहां यात्री प्रतीक्षालय के पास टीन शेड की दुकान बनाकर किया गया अतिक्रमण भी जेसीबी की सहायता से ध्वस्त किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती बामनिया ने बताया कि आवागमन को सुचारू बनाने के लिए दुकानों के बाहर फुटपाथ पर कब्जा करने व सड़क किनारे तक अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है । दुकानदारों से अनुरोध है कि वह अपना अतिक्रमण स्वेच्छा से हटा ले और दोबारा अतिक्रमण नहीं करें अन्यथा अतिक्रमण हटाने के बाद पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर भारी जुर्माना एवं जप्त सामान राजसात करने सहित अन्य कार्यवाही की जावेगी।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

नीमच, 3 अगस्त। पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार पर सोमवार सुबह से ही पूरा नीमच शिवभक्ति में सराबोर नजर आया। शहर और आसपास के प्रमुख शिवालयों में तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। किलेश्वर महादेव मंदिर, सुखानंद धाम, नीलकंठ महादेव, भूतेश्वर महादेव सहित अनेक शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। पूरा शहर दिनभर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजता रहा।

सुबह से जलाभिषेक का सिलसिला – सावन के पहले सोमवार को लेकर मंदिरों के पट तड़के ही खोल दिए गए। सुबह करीब 4 बजे से श्रद्धालुओं की कतारें लगना शुरू हो गई थीं। हाथों में जल, दूध, बिल्वपत्र, धतूरा, पुष्प, चंदन और पूजन सामग्री लेकर श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक करने पहुंचे। कई श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा, स्वास्थ्य और देश की खुशहाली की कामना के साथ विशेष पूजन-अर्चन किया।

किलेश्वर महादेव में रही सबसे अधिक भीड़ – शहर के प्राचीन किलेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर परिसर भक्तों से खचाखच भरा रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति द्वारा दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई।

सुखानंद धाम और नीलकंठ महादेव में गूंजे शिव भजन – सुखानंद धाम और नीलकंठ महादेव मंदिर में भी दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शिवभक्तों ने भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक और सामूहिक आरती में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। सावन के पहले सोमवार पर बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित हर वर्ग के लोगों ने भगवान शिव की आराधना की। कई श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए तो कई कांवड़िए भी जल लेकर शिवालयों में पहुंचे। पूरे दिन मंदिरों में भक्तिमय वातावरण बना रहा और नीमच शिवभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।